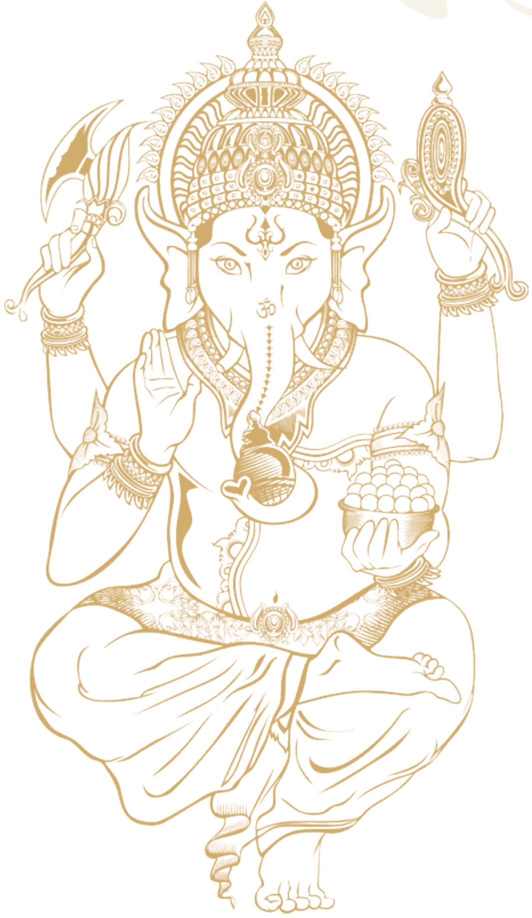

Gunjan Agrawal

15 Jul 1984

12:45 PM

Sohagpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121890902

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	: **15/07/1984**
दिन	: रविवार
जन्म समय	: **12:45:00 घंटे**
इष्ट	: 17:39:34 घटी
स्थान	: **Sohagpur**
राज्य	: Madhya Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 22:43:00 उत्तर
रेखांश	: 78:14:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:17:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 12:27:56 घंटे
वेलान्तर	: -00:05:55 घंटे
साम्पातिक काल	: 08:01:15 घंटे
सूर्योदय	: 05:41:10 घंटे
सूर्यास्त	: 19:04:35 घंटे
दिनमान	: 13:23:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: वर्षा
सूर्य के अंश	: 29:20:14 मिथुन
लग्न के अंश	: 04:07:39 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	: **मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	: **धनिष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	: मंगल
योग	: प्रीति
करण	: वणिज
गण	: राक्षस
योनि	: सिंह
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: वैश्य
वश्य	: जलचर
वर्ग	: मार्जार
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: भूमि
जन्म नामाक्षर	: गा-गामिनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	: लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	04:07:39	326:21:19	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			मिथु	29:20:14	00:57:13	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	सम राशि
चंद्र			मक	24:44:10	12:15:26	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	सम राशि
मंगल			तुला	22:06:23	00:17:51	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
बुध			कर्क	21:02:23	01:35:00	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
गुरु	व		धनु	12:29:25	00:07:03	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	स्वराशि
शुक्र			कर्क	07:25:33	01:13:47	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	शत्रु राशि
शनि			तुला	16:04:02	00:00:12	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	उच्च राशि
राहु	व		वृष	11:55:46	00:08:31	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	11:55:46	00:08:31	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष	व		वृश्चि	16:21:41	00:01:35	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
नेप	व		धनु	05:47:07	00:01:27	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	---
प्लूटो			तुला	05:41:15	00:00:12	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
दशम भाव			कर्क	04:34:04	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:14

लग्न-चलित

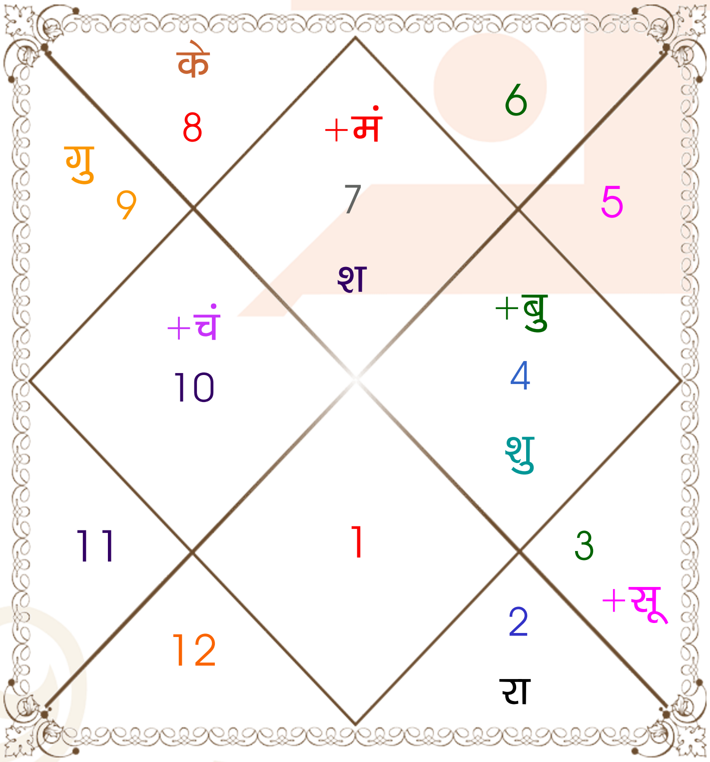

चन्द्र कुंडली

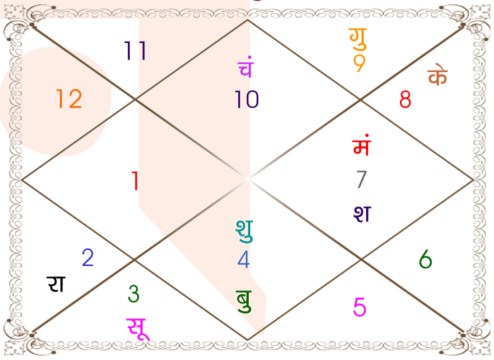

नवमांश कुंडली

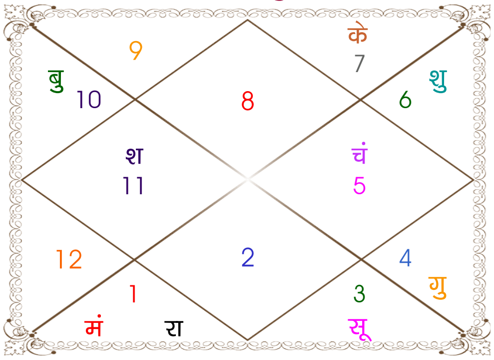

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 6 वर्ष 3 मास 4 दिन

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
15/07/1984	**20/10/1990**	**19/10/2008**	**19/10/2024**	**20/10/2043**
20/10/1990	**19/10/2008**	**19/10/2024**	**20/10/2043**	**19/10/2060**
15/07/1984	राहु 02/07/1993	गुरु 07/12/2010	शनि 23/10/2027	बुध 18/03/2046
राहु 05/04/1985	गुरु 26/11/1995	शनि 20/06/2013	बुध 02/07/2030	केतु 15/03/2047
गुरु 12/03/1986	शनि 02/10/1998	बुध 26/09/2015	केतु 11/08/2031	शुक्र 13/01/2050
शनि 20/04/1987	बुध 20/04/2001	केतु 01/09/2016	शुक्र 11/10/2034	सूर्य 19/11/2050
बुध 17/04/1988	केतु 08/05/2002	शुक्र 03/05/2019	सूर्य 23/09/2035	चंद्र 20/04/2052
केतु 13/09/1988	शुक्र 08/05/2005	सूर्य 19/02/2020	चंद्र 23/04/2037	मंगल 17/04/2053
शुक्र 13/11/1989	सूर्य 02/04/2006	चंद्र 20/06/2021	मंगल 02/06/2038	राहु 04/11/2055
सूर्य 21/03/1990	चंद्र 02/10/2007	मंगल 27/05/2022	राहु 08/04/2041	गुरु 09/02/2058
चंद्र 20/10/1990	मंगल 19/10/2008	राहु 19/10/2024	गुरु 20/10/2043	शनि 19/10/2060

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
19/10/2060	**20/10/2067**	**20/10/2087**	**20/10/2093**	**21/10/2103**
20/10/2067	**20/10/2087**	**20/10/2093**	**21/10/2103**	**00/00/0000**
केतु 17/03/2061	शुक्र 19/02/2071	सूर्य 07/02/2088	चंद्र 20/08/2094	मंगल 18/03/2104
शुक्र 18/05/2062	सूर्य 19/02/2072	चंद्र 07/08/2088	मंगल 21/03/2095	राहु 16/07/2104
सूर्य 22/09/2062	चंद्र 20/10/2073	मंगल 13/12/2088	राहु 19/09/2096	00/00/0000
चंद्र 23/04/2063	मंगल 20/12/2074	राहु 07/11/2089	गुरु 19/01/2098	00/00/0000
मंगल 20/09/2063	राहु 19/12/2077	गुरु 26/08/2090	शनि 20/08/2099	00/00/0000
राहु 07/10/2064	गुरु 19/08/2080	शनि 08/08/2091	बुध 20/01/2101	00/00/0000
गुरु 13/09/2065	शनि 20/10/2083	बुध 13/06/2092	केतु 21/08/2101	00/00/0000
शनि 23/10/2066	बुध 20/08/2086	केतु 19/10/2092	शुक्र 21/04/2103	00/00/0000
बुध 20/10/2067	केतु 20/10/2087	शुक्र 20/10/2093	सूर्य 21/10/2103	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 6 वर्ष 3 मा 7 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगी। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने पति के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र की विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगी। आप अपने पति की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पति के आकर्षण के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकती हैं। संप्रति आप अपने साथी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगी कि आपको एक अच्छा जीवन संगी प्राप्त हुआ है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरुप मिथुन अथवा कुंभ राशि के जीवन साथी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि के साथी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपने जीवन साथी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपके संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगी। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगी। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु बृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रुप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रुप से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु अपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके, यह जानती हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकती हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाती हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकती हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति की हो जाती है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सकी तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगी। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रुचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।